Chhattisgarh Entrepreneurship Development Centre

https://chhattisgarhedc.org/

युवा नौकरी के पीछे जाने की बजाय खुद का उद्यम शुरू करें

भटगांव आईटीआई में उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ धमतरी

भटगांव आईटीआई में संस्था द्वारा उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रशांत चंद्राकर मैनेजर जिला उद्योग केंद्र थे। उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि उद्यमिता के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

युवा पारंपरिक नौकरी के पीछे भागने की बजाय खुद का उद्यम शुरू कर आत्मनिर्भर बन सकते हैं। वे अन्य लोगों को भी रोजगार दे सकते हैं। विशेष अतिथि इंदर कुमार खिलवानी ने कहा कि बैंक स्टार्टअप और सूक्ष्म उद्यमियों को सहयोग देने के लिए तत्पर हैं। जरूरत है ठोस योजना और प्रतिबद्धता की।

कार्यक्रम समन्वयक राहुल तिवारी ने बताया कि यह कार्यक्रम जिले में युवाओं को स्वरोजगार और डिजिटल उद्यमिता की दिशा में प्रशिक्षित करने की दिशा में पहला कदम है। कार्यक्रम में पहले दिन विषय विशेषज्ञों ने प्रेरणादायक सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को उद्यमिता की बुनियादी अवधारणाओं से परिचित कराया और सफल उद्यमियों की कहानियां साझा की।

Durg - 14 Apr 2025 - 14durg4
epaper.navabharat.news

उद्यमिता विकास कार्यक्रम का किया गया समापन

बालोद। शासकीय घनश्याम सिंह गुप्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 27 मार्च से 11 अप्रैल तक बारह दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया था। उक्त कार्यक्रम वाणिज्य एवं उद्योग विभाग छत्तीसगढ़ शासन तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद की संयुक्त पहल है जो छत्तीसगढ़ राज्य में उद्यमिता नवाचार एवं स्टार्टअप को बढ़ावा देने, उद्यमशीलता की क्षमता की पहचान करने एवं नए उद्योगों की स्थापना तथा मौजूदा उद्योगों के विकास को सुगम बनाने के लिए समर्पित था। शुक्रवार 11 अप्रैल को समापन समारोह के मुख्य अतिथि जयप्रकाश रात्रे प्रबंधक वाणिज्य एवं उद्योग विभाग ने विभाग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न उद्यमिता विकास के कार्यक्रमों को विस्तार से बताया । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. जेके खलखो के द्वारा विभिन्न स्थानीय उद्यमी का उदाहरण देते हुए महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को भविष्य में उद्यमिता के लिए प्रेरित किया । कार्यक्रम के संयोजक प्रो. जीएन खरे के द्वारा उद्यमिता के प्रमुख तत्व जोखिम लेने की क्षमता, स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता, व्यवसाय प्रबंधन समस्या समाधान पर विस्तारपूर्वक विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष सुनीता जोशी के द्वारा 12 दिवसीय कार्यक्रम की संक्षिप्त में विवरण प्रस्तुत की। कार्यक्रम के सलाहकार प्रो. सीडी मानिकपुरी के द्वारा उद्यमिता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए रोजगार सृजन के आर्थिक विकास, सामाजिक परिवर्तन जैसे विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रो. जीएन खरे के द्वारा किया गया ।

पीजी कॉलेज में आयोजित की गई सूक्ष्म उद्यम विकास कार्यशाला

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर में छत्तीसगढ़ उद्यमिता विकास केंद्र द्वारा १२ दिवसीय माइक्रो इंटरप्राइज डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन २० मार्च से ८ अप्रैल तक किया गया।
छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित १२ दिवसीय सूक्ष्म उद्यम विकास कार्यक्रम का शुभारंभ २० मार्च को प्राचार्य डॉ. स्नेहलता श्रीवास्तव मैडम के अध्यक्षता में संपन्न हुआ।
उद्घाटन कार्यक्रम में डॉ. दीपक सिंह, श्री विनीत कुमार गुप्त, डॉ. अनिल कुमार सिन्हा, डॉ [illegible]

उपस्थित थे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं इच्छुक प्रतिभागियों को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र में स्वरोजगार के लिए तैयार करना है।
प्रशिक्षण में कुल ५० प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उन्हें [illegible]

योजना निर्माण, विपणन रणनीतियाँ, वित्तीय प्रबंधन, सरकारी योजनाएं एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के उपयोग जैसी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं।
प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विषय विशेषज्ञ के रूप में वाणिज्य विभाग से प्रो. आशुतोष कौशिक व प्रो. [illegible]

कौर आदि द्वारा व्याख्यान और समूह चर्चा आयोजित की गई। साथ ही अर्थशास्त्र विभाग से प्रो. रजनी सारथी व प्रो. अनिता लकड़ा द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी तथा सफल उद्यमियों के अनुभव साझा किए गए, जिससे प्रतिभागियों को प्रेरणा और व्यावहारिक मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

यह कार्यक्रम स्थानीय स्तर पर आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक प्रभावी पहल के रूप में देखा जा रहा है, जो युवाओं को रोजगारदाता बनने की ओर प्रेरित करेगा। ८ अप्रैल समापन कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के विश्वविद्यालय समन्वयक डॉ. एस.एन. पांडेय, वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. गौर व प्रो. आशुतोष कौशिक, अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. जे. एन. पांडेय, जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र से श्री पवन कुमार ओझा एवं श्री सूर्योदय कुमार यादव उपस्थित रहे। उनके द्वारा शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। बैंकिंग से श्री देवेंद्र यादव प्रबंधक लीड बैंक द्वारा बैंकिंग सेवाओं की जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान से श्री हिमांशु जी उपस्थित रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों से कार्यक्रम का फीडबैक लिया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन राजीव कुमार द्वारा किया गया।

यह पहल न केवल छत्तीसगढ़ की आर्थिक प्रगति में योगदान देगी, बल्कि स्वरोजगार के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनने में भी सहायता करेगी

छत्तीसगढ़ उद्यमिता विकास केंद्र द्वारा प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ

पीजी कॉलेज में आयोजित की गई सूक्ष्म उद्यम विकास कार्यशाला

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर में छत्तीसगढ़ उद्यमिता विकास केंद्र द्वारा 12 दिवसीय माइक्रो इंटरप्राइज डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन 20 मार्च से 8 अप्रैल तक किया गया । छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 12 दिवसीय सूक्ष्म उद्यम विकास कार्यक्रम का शुभारंभ 20 मार्च को प्राचार्य डॉ. स्नेहलता श्रीवास्तव के अध्यक्षता में हुआ। उद्घाटन कार्यक्रम में डॉ. दीपक सिंह, विनीत कुमार गुप्त, डॉ. अनिल कुमार सिंहा, डॉ. माधवेंद्र तिवारी उपस्थित थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं इच्छुक प्रतिभागियों को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र में स्वरोजगार के लिए तैयार करना है। प्रशिक्षण में कुल 50 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इन्हें

उद्यमिता, व्यवसाय योजना निर्माण, विपणन रणनीतियां, वित्तीय प्रबंधन, सरकारी योजनाएं एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। प्रशिक्षण के दौरान विषय विशेषज्ञ के रुप में वाणिज्य विभाग से प्रो. आशुतोष कौशिक व प्रो. रश्मित कौर का व्याख्यान और समूह चर्चा आयोजित की गईं। साथ ही अर्थशास्त्र विभाग से प्रो. रजनी सारथी व प्रो. अनिशा लकड़ा द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी तथा सफल उद्यमियों के अनुभव साझा किए गए, जिससे प्रतिभागियों को प्रेरणा और व्यावहारिक मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम स्थानीय स्तर पर आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक प्रभावी पहल के रूप में देखा जा रहा है, जो युवाओं को रोजगारदाता बनने की ओर प्रेरित करेगा। 8 अप्रैल समापन कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के विश्वविद्यालय समन्वयक डॉ. एस.एन. पांडेय, वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के.गौर व प्रो.आशुतोष कौशिक, अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. जे.एन. पांडेय, जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र से पवन कुमार ओझा एवं सूर्योदय कुमार यादव उपस्थित रहे, उनके द्वारा शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। बैंकिंग से देवेंद्र यादव प्रबंधक लीड बैंक द्वारा बैंकिंग सेवाओं की जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान से हिमांशु उपस्थित रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों से कार्यक्रम का फीडबैक लिया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन राजीव कुमार ने किया।

पत्रिका

कोपरा कॉलेज में कौशल उद्यमिता कार्यक्रम का आयोजन

कोपरा @ पत्रिका. आर्यभट्ट कला एवं विज्ञान महाविद्यालय के प्रांगण में वाणिज्य एवं उद्योग विभाग और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के संयुक्त तत्वाधान में चल रहे 18 दिवसीय कौशल उद्यमिता विकास कार्यक्रम में जिला उद्योग केंद्र गरियाबंद के प्रबंधक दिनेश कंवर ने कार्यक्रम का भ्रमण किया और प्रतिभागियों को संबोधित किया।

अपने संबोधन में दिनेश कंवर ने विभिन्न सरकारी योजनाओं, जैसे 'प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम' और 'स्वरोजगार स्थापना' के पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि जिला उद्योग केंद्र द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यकलाप चलाए जा रहे हैं, जो युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने यह आशा व्यक्त की कि कार्यक्रम के प्रतिभागी भविष्य में अपने उद्यम की स्थापना करेंगे और इसके माध्यम से न केवल अपने जीवन को सुदृढ़ करेंगे, बल्कि दूसरों को भी स्वरोजगार के लिए प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के वरिष्ठ परियोजना अधिकारी विजय कुमार पांडे और राजू वैष्णव भी उपस्थित थे। उन्होंने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया और उन्हें छोटे कुटीर उद्योगों, स्टार्टअप्स से जुड़ने की सलाह दी।

जागरूकता • माता कर्मा कन्या महाविद्यालय में 12 दिनी माइक्रो एंटरप्राइज डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन हुआ

नए उद्योगों के लिए नवाचार की महत्ता के बारे में बताई गई

भास्कर न्यूज | महासमुंद

छग उद्यमिता विकास केंद्र के तत्वावधान में शासकीय माता कर्मा कन्या महाविद्यालय में 28 मार्च 12 दिवसीय माइक्रो एंटरप्राइज डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है। द्वितीय दिवस पर छात्राओं को उद्यमिता का अर्थ बताकर उद्यमिता के लिए अवसर की पहचान उद्यमिता की विशेषताएं के बारे में बताया गया।

महासमुंद। कार्यक्रम में छात्राओं को उद्यमिता के बारे में बताते अतिथि।

तृतीय दिवस मे मुख्य वक्ता के रूप मे डॉक्टर विनीत साहू सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र शासकीय महाविद्यालय छुरा ने बाजार सर्वेक्षण और छत्तीसगढ़ मे व्यवसाय के अवसर की विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की उन्होंने छात्राओं को टास्क देकर उन्हें उद्यमी बनने के लिये नवीन विचारों से अवगत कराया। नए उद्योगों के लिए नवाचार की महत्ता, स्टार्टअप की जानकारी छात्राओं को दी गई। साथ ही स्किल के लिये भी छात्राओं को प्रोत्साहित किया गया। डाक्टर सरस्वती वर्मा ने छात्राओं को इस प्रशिक्षण के माध्यम से उद्यमिता के लिये छात्राओं को उनके मन में आने वाले विचार से लेकर उसे किस प्रकार एक व्यवसाय का रूप देना है, साथ ही इस प्रशिक्षण के माध्यम से वे अपने घर परिवार मे किसी उद्यमी को उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने मे यह प्रशिक्षण कितना लाभकारी होगा इसकी जानकारी दी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर सब कुमार ने कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज का दौर स्टार्टअप और नवाचार का है। इस मौके पर ओमप्रकाश पटेल, कावेरी साहू, केकती, ईसा, रितु प्रीती, निकिता, मेघा, डिकेस्वरी शीतल, मनीषा सहित कुल 5 छात्राएं जुड़कर इस प्रशिक्षण का लाभ उठा रही है।

सफल उद्यमी बनने युवाओं को व्यावहारिक ज्ञान बताया

इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को व्यावहारिक ज्ञान और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहा है, जिससे वे सफल उद्यमी बन सके। कार्यक्रम में 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया है, जिन्हें व्यवसाय योजना निर्माण, वित्तीय प्रबंधन, मार्केटिंग, डिजिटल टूल्स, सरकारी योजनाओं एवं विभिन्न व्यावसायिक अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही है।

स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम में डिजिटल मार्केटिंग का दिया प्रशिक्षण

भरनाभाट@पत्रिका. छत्तीसगढ़ उद्यमिता विकास केंद्र आईसेक्ट (सुपर) कंप्यूटर एजुकेशन, जैन भवन देवरी बंगला में 18 दिवसीय स्किल एंटरप्राइज डेवलपमेंट प्रोग्राम चला रहा है। छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद की संयुक्त पहल पर निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जनभागीदारी सदस्य खेरथा महाविद्यालय के अध्यक्ष विवेक वैष्णव ने किसी भी व्यापार की डिजिटल मार्केटिंग के बारे में जानकारी दी और सावधानी बताई। कम समय में व्यापार का विज्ञापन अधिक लोगों के पास पहुंचाने की प्रक्रिया, व्यापार शुरुआत करने से पहले योजना बनाकर सर्वप्रथम सर्वे किया जाता है। जिसका व्यापार कर रहे हैं। उसकी आंचलिक आवश्यकता, व्यापार ऋण लेने की प्रकिया के बारे में बताया। एजुकेशन व व्यापार विस्तार के लिए ऋण प्राप्त एवं सिबिल स्कोर अच्छा होने पर ही ऋण प्रदान किया जाता है। प्रशिक्षण में बैंकिंग फ्रॉड से बचने की जानकारी दी। इस अवसर पर आईसेक्टर के संचालक भरत देवांगन, डॉ महेश यादव, योगेश्वर निषाद, यशवंत ठाकुर एवं 50 प्रशिक्षार्थी उपस्थित थे। अंतिम दिवस 12 अप्रैल को जयप्रकाश रावटे प्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र बालोद प्रशिक्षण देंगे।

धमतरी 13-04-2025

दो दिनों तक दिया उद्यमिता का संदेश

धमतरी | स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ उद्यमिता विकास केंद्र ने 9 और 11 अप्रैल को 2 दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। आयोजन भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के सहयोग से हुआ। 11 अप्रैल को बिजनेस आइडिया जनरेशन, फाइनेंशियल प्लानिंग, सरकारी योजनाओं की जानकारी और बैंक लिंकेज पर विशेष सत्र हुआ। समापन सत्र में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए गए।

कार्यक्रम में 100 से ज्यादा लोगों ने भाग लिया। इनमें युवा, महिलाएं, स्वयं सहायता समूह की सदस्याएं और नव प्रवर्तक शामिल रहे। समापन समारोह में जिला उद्योग केंद्र के मैनेजर प्रशांत चंद्राकर ने कहा कि उद्यमिता में अपार संभावनाएं हैं। युवाओं को नौकरी के पीछे भागने की बजाय खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहिए। इससे वे आत्मनिर्भर बनेंगे और दूसरों को भी रोजगार देंगे। इंदर कुमार खिलवानी ने कहा कि बैंक अब स्टार्टअप और सूक्ष्म उद्यमियों को सहयोग देने के लिए तैयार हैं। ऐसे कार्यक्रम युवाओं को बैंकिंग प्रणाली समझने और उसका लाभ उठाने का मौका देते हैं।

आयोजन

युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने हो रही पहल, धमतरी में उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ

छत्तीसगढ़ में उद्यमिता के क्षेत्र में अपार संभावना- चन्द्राकर

नवभारत ब्यूरो । धमतरी।

छत्तीसगढ़ राज्य में स्वरोजगार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ उद्यमिता विकास केंद्र द्वारा उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस कार्यक्रम का आयोजन वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के मार्गदर्शन में, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के द्वारा किया गया। उद्यमिता विकास केंद्र, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद की संयुक्त पहल द्वारा स्थापित किया गया है। इसका उद्देश्य राज्य में उद्यमिता संस्कृति को बढ़ावा देना, युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना, और आवश्यक प्रशिक्षण, परामर्श व संसाधन उपलब्ध कराना है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के युवाओं, महिलाओं और शिल्पकारों को सशक्त बनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रशांत चंद्राकर मैनेजर, जिला उद्योग केंद्र, धमतरी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि उद्यमिता के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। युवाओं को पारंपरिक नौकरी के पीछे भागने की बजाय खुद का उद्यम शुरू कर, न केवल आत्मनिर्भर बनना चाहिए, बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार के अवसर देने चाहिए। विशेष अतिथि इंदर कुमार खिलवानी एलबीएम धमतरी ने कहा कि बैंक आज स्टार्टअप और सूक्ष्म उद्यमियों को सहयोग देने के लिए तत्पर हैं। जरूरत है ठोस योजना और प्रतिबद्धता की। ऐसे कार्यक्रमों से युवाओं को बैंकिंग प्रणाली को समझने और उसका लाभ उठाने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम समन्वयक राहुल तिवारी, परियोजना अधिकारी ने बताया कि यह कार्यक्रम उस पहल का हिस्सा है, जिसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ के हर जिले में युवाओं को स्वरोजगार और डिजिटल उद्यमिता की दिशा में प्रशिक्षित किया जा रहा है। धमतरी के युवाओं में जो ऊर्जा और रुचि दिख रही है, वह निश्चित ही एक सकारात्मक संकेत है।

बुनियादी अवधारणाओं से कराया गया परिचित

कार्यक्रम में पहले दिन विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रेरणादायक सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को उद्यमिता की बुनियादी अवधारणाओं से परिचित कराया गया। साथ ही, सफल उद्यमियों की कहानियाँ साझा की गईं, जिससे प्रतिभागियों में आत्मविश्वास और जोश उत्पन्न हुआ। दूसरे दिन बिजनेस आइडिया जनरेशन, फाइनेंशियल प्लानिंग, स्कीम अवेयरनेस, और बैंक लिंकेज पर विशेष सत्र होंगे। समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में कुल 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें युवाओं के साथ-साथ महिलाएं, स्वयं सहायता समूह की सदस्याएं, और नवप्रवर्तक भी शामिल रहे। यह कार्यक्रम उत्रृएऊठ की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा है जिसके तहत राज्य में स्थायी आजीविका, आत्मनिर्भरता और स्थानीय उद्यमिता को प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

उद्यमिता को बढ़ावा देने कलिंगा यूनिवर्सिटी में प्रशिक्षण कार्यक्रम

रायपुर। छत्तीसगढ़ में उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ उद्यमिता विकास केंद्र द्वारा कलिंगा यूनिवर्सिटी रायपुर में 28 मार्च से 5 दिवसीय प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके प्रत्येक बैच में कुल 30 प्रशिक्षार्थियों ने भाग लिया, जो भविष्य में उद्यमिता प्रशिक्षण को नए स्तर पर ले जाने के लिए तैयार किए जा रहे हैं। इस मौके पर मुख्य अतिथि कलिंगा यूनिवर्सिटी के कुलपति ने उद्घाटन सत्र में उद्यमिता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में स्वरोजगार और स्टार्टअप संस्कृति को सशक्त करने के लिए प्रशिक्षित ट्रेनर्स की अत्यधिक आवश्यकता है। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से आए मुकुल वेदी ने ट्रेनिंग कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने प्रशिक्षार्थियों को बताया कि वे प्रशिक्षण के माध्यम से अपने ज्ञान को कैसे परिष्कृत करके उसे समाज में प्रभावी रूप से लागू कर सकते हैं। कार्यक्रम के समन्वयक थे अहमदाबाद के ही सचिन पटेल।

सरोकार रायपुर, शुक्रवार 04 अप्रैल, 2025 रायपुर

संदीप वर्मा, प्रबंधक, DIC रायपुर का TOT प्रतिभागियों संग संवाद

रायपुर(सरोकार संवाददाता)। छत्तीसगढ़ उद्यमिता विकास केंद्र द्वारा आयोजित प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (TOT) के समापन सत्र में जिला उद्योग केंद्र (DIC), रायपुर के प्रबंधक संदीप वर्मा ने प्रशिक्षार्थियों से संवाद किया और उन्हें प्रेरित किया।

समापन सत्र के दौरान, संदीप वर्मा ने प्रशिक्षार्थियों को उद्यमिता, उद्योग स्थापना और सरकारी योजनाओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा स्थानीय उद्यमियों के लिए किस प्रकार की नीतियां एवं प्रोत्साहन योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिससे युवा और नवोदित उद्यमी अपने व्यवसाय को मजबूत कर सकते हैं।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा, "आज के समय में स्वरोज़गार और उद्यमिता ही आर्थिक विकास का प्रमुख स्तंभ हैं। सरकार का उद्देश्य उद्यमियों को सही दिशा में मार्गदर्शन देना और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना है, जिससे वे अपने व्यापार को सफलतापूर्वक आगे बढ़ा सकें।"

कार्यक्रम के प्रशिक्षार्थियों ने संदीप वर्मा से व्यवसाय प्रारंभ करने, सरकारी सहायता प्राप्त करने और बाज़ार से जुड़ने से संबंधित अनेक सवाल पूछे, जिनका उन्होंने विस्तार से उत्तर दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को DIC रायपुर के माध्यम से मिलने वाली वित्तीय सहायता, मार्केटिंग सपोर्ट और ट्रेनिंग प्रोग्राम्स की जानकारी दी और उन्हें इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। छत्तीसगढ़ उद्यमिता विकास केंद्र वाणिज्य एवं उद्योग विभाग, छत्तीसगढ़ सरकार और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (EDII), अहमदाबाद की एक संयुक्त पहल है, जिसका उद्देश्य प्रदेश में उद्यमिता को बढ़ावा देना और प्रशिक्षकों को इस क्षेत्र में सक्षम बनाना है।समापन सत्र में कार्यक्रम समन्वयक सचिन पटेल (EDII, अहमदाबाद) एवं अन्य विशेषज्ञों ने भी प्रतिभागियों से फीडबैक लिए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।यह संवाद सत्र प्रशिक्षार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक रहा, जिससे उन्हें अपने उद्यमिता के सफर को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

अखिल भा
बिल सं

रायपुर(सरोकार
अखिल भारतीय हि
भारत के राष्ट्रीय प्रमु
नीरज पाण्डेय जी ने
बिल का स्वागत किय
के उन सभी शोषित ए
लोगों को हार्दिक
शुभकामनायें दी है जि
पिछले कई वर्षों से नु
पड रहा था, और शोष
नीरज पाण्डेय जी ने
सभी लोगों को हार्दि
शुभकामनायें दी। और
मुसलिम परिवारों को

समस्त भ

जांजगीर चांपा। चाम्पा
प्रतिदिन माँ समलेश्वरी
करते है पं अतुल कृष्ण
की माला अर्पित की ज
श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित
चढ़ाने के पीछे मान्यता

दैनिक भास्कर

महासमुंद 30-03-2025

शहर-समाज

॥ समाज-संस्था ब्रीफ ॥

अग्निवीर में चयनित शिवम का सम्मान

झलप| ग्राम झलप के निवासी शिवम शर्मा पिता यशपाल शर्मा का अग्निवीर में चयन हुआ। सेना में चयन होने पर न केवल गांव बल्कि क्षेत्र का नाम रौशन किया है। शनिवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जहां युवक के सफलता से अभिभूत होकर ग्राम पंचायत झलप के सरपंच राकेश साहू ने शिवम शर्मा को सम्मानित किया गया। चयन के ग्राम के लिए शिवम शर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता और निशुल्क परीक्षण केंद्र महासमुंद को दिया। जहां उन्होंने 6 महीने की ट्रेनिंग ली। इस अवसर पर सरपंच राकेश साहू जनपद सदस्य बलविंदर सिंह (सीटू) सलूजा उप सरपंच किशन कोसरिया, ललिता अग्रवाल समस्त पंच गण और ग्राम सेवा समिति के अध्यक्ष भागीरथी मार्कण्डेय, कौशल देवांगन, अतुल गुप्ता, नीरज अग्रवाल, शम्मी सलूजा, सुभाष पटेल, मेघनाथ यादव, दुर्गेश ध्रुवंशी ग्रामीण उपस्थित रहे।

न्योता भोज में खीर, पूड़ी परोसी गई

संयुक्त पहल • 12 दिवसीय माइक्रो एंटरप्राइज डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ हुआ

उद्यमिता ही भारत की आर्थिक समृद्धि की कुंजी होती है: मुख्य अतिथि विजय

भास्कर न्यूज | महासमुंद

छत्तीसगढ़ उद्यमिता विकास केंद्र के तत्वावधान में शासकीय माता कर्मा कन्या महाविद्यालय महासमुंद में 12 दिवसीय माइक्रो एंटरप्राइज डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ 28 मार्च से किया गया। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य व उद्योग विभाग और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद की संयुक्त पहल के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में 50 प्रतिभागी शामिल हुए है।

मुख्य अतिथि विजय कुमार पांडेय ने कहा कि उद्यमिता ही देश की आर्थिक समृद्धि की कुंजी है। इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं को न केवल स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित करते हैं, बल्कि उन्हें नवाचार और आर्थिक स्वतंत्रता का अवसर भी प्रदान करते हैं। संस्थान इस प्रकार की पहलों का सदैव समर्थन करता रहेगा। युवा जब तक स्वरोजगार को नही अपनाएंगे तब तक आर्थिक रूप से मजबूत नही हो सकते है। आर्थिक रूप से सशक्त होने के लिए युवाओं को दूसरों के पास नौकरी न कर स्वयं का व्यापार या व्यवसाय की ओर बढ़ना चाहिए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर एसबी कुमार ने कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज का दौर स्टार्टअप और नवाचार का है। युवाओं को रिस्क लेकर स्टार्टअप करना चाहिए। उद्यमिता विकास के लिए सही मार्गदर्शन और प्रशिक्षण आवश्यक है, और हमारा प्रयास है कि इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को व्यावहारिक ज्ञान और संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, जिससे वे सफल उद्यमी बन सकें। उद्यम से हमें सफलता प्राप्त होती है। कार्यक्रम का संचालन छत्तीसगढ़ उद्यमिता विकास केंद्र किया जा रहा है, जो राज्य में नवोद्यमिता और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सतत प्रयासरत है। इस मौके पर भूगोल विभागाध्यक्ष ओमप्रकाश पटेल, डॉ. मनोज शर्मा विभागाध्यक्ष वाणिज्य संकाय, डॉ. स्वेतलाना नागल विभागाध्यक्ष विज्ञान संकाय अरविंद साहू सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक व स्टाफ मौजूद थे।

प्रशिक्षक मेंटोर विजय कुमार पांडेय ने कहा कि सफल उद्यमी बनने के लिए सही प्रशिक्षण और सतत प्रयास की आवश्यकता होती है। इस कार्यक्रम में हम न केवल व्यावसायिक अवधारणाओं को समझाएंगे, बल्कि प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान करेंगे, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। कार्यक्रम में लगभग 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिन्हें व्यवसाय योजना निर्माण, वित्तीय प्रबंधन, मार्केटिंग, डिजिटल टूल्स, सरकारी योजनाओं व विभिन्न व्यावसायिक अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

महासमुंद। कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागी व अतिथि।

युवाओं व महिलाओं के बीच उद्यमिता बढ़ाएं

कार्यक्रम समन्वयक डॉक्टर सरस्वती वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में युवाओं और महिलाओं के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए यह एक महत्वपूर्ण अवसर है। हम चाहते हैं कि अधिक से अधिक प्रतिभागी इस प्रशिक्षण का लाभ उठाकर अपने स्वयं के व्यवसाय शुरू करें और स्थानीय अर्थव्यवस्था में योगदान दें। युवा जब उद्योग की ओर बढ़ेंगे तब स्थानीय रूप से विकास होगा। अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी के साथ ही समाज में हम आर्थिक योगदान दे सकते हैं।

विद्यार्थियों को ऑनलाइन कौशल प्रशिक्षण मिला

बेलसोंडा| शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेलसोंडा के कक्षा ग्यारहवीं और बारहवीं टेलीकॉम ट्रेड के 38 छात्र-छात्राओं के लिए घोड़ारी स्थित सिद्धार्थ च्वाइस सेंटर में आयोजित 10 दिवसीय इंटर्नशिप कार्यक्रम का समापन शुक्रवार को किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को इंटरनेट से संबंधित जानकारियां और स्कूल शिक्षा संबंधित साइटों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही साथ डिजिलॉकर में अपने दस्तावेजों को सुरक्षित रखना, ऑनलाइन बिजली-पानी का बिल भरना सहित अन्य कौशलों का व्यवसायिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के संचालक उमेश कुमार ने मार्गदर्शन किया और भविष्य में होने वाले ऑनलाइन कामों की डिमांड के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया। शोभा सिंहदेव ने कहा कि यह प्रशिक्षण विद्यार्थियों के कैरियर निर्माण और भविष्य में उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए

सही मार्गदर्शन उद्यमियों को बनाता है आत्मनिर्भर

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायपुर : छत्तीसगढ़ उद्यमिता विकास केंद्र की ओर से कलिंगा विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलिंगा विश्वविद्यालय के कुलपति डा. आर श्रीधर ने उद्यमिता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में स्वरोजगार और स्टार्टअप संस्कृति को सशक्त करने के लिए प्रशिक्षित प्रशिक्षक की अत्यधिक आवश्यकता है।

इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम छत्तीसगढ़ के युवा और नवोदित उद्यमियों के लिए अत्यंत उपयोगी है। वहीं, मुकुल वेदी, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद ने ट्रेनिंग कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रशिक्षार्थियों को बताया कि वे प्रशिक्षण के माध्यम से अपने ज्ञान को कैसे परिष्कृत कर सकते हैं और इसे समाज में प्रभावी रूप से लागू कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षकों का सही मार्गदर्शन उद्यमियों को न केवल सही दिशा में आगे बढ़ने में मदद करता है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी भी बनाता है। कार्यक्रम के समन्वयक सचिन पटेल, अहमदाबाद ने कार्यक्रम की संरचना और उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण प्रतिभागियों को उद्यमिता की बारीकियों को समझने, व्यावसायिक योजना बनाने और वित्तीय प्रबंधन से लेकर डिजिटल मार्केटिंग तक के विभिन्न आयामों को आत्मसात करने का अवसर प्रदान करेगा। अन्य विशेषज्ञ वक्ताओं ने भी इस दौरान अपने विचार साझा किए और प्रशिक्षार्थियों को अपने विचारों से प्रेरित किया।

कलिंगा विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण कार्यक्रम में मौजूद अतिथि। ● आयोजक

युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने दिया प्रशिक्षण

नईदुनिया न्यूज, अंबिकापुर : राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर में छत्तीसगढ़ उद्यमिता विकास केंद्र द्वारा सूक्ष्म उद्यम विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 12 दिवसीय सूक्ष्म उद्यम विकास कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डा स्नेहलता श्रीवास्तव के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। उद्घाटन कार्यक्रम में डा दीपक सिंह, विनीत कुमार गुप्त, डाक्टर अनिल कुमार सिन्हा, डाक्टर माधवेंद्र तिवारी भी उपस्थित थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं इच्छुक प्रतिभागियों को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र में स्वरोजगार के लिए तैयार करना था। प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को उद्यमिता, व्यवसाय योजना निर्माण, विपणन रणनीतियाँ, वित्तीय प्रबंधन, सरकारी योजनाएं एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के उपयोग जैसी महत्वपूर्ण जानकारी दी गईं। कार्यक्रम के दौरान विषय विशेषज्ञ के रुप में वाणिज्य विभाग से प्रो आशुतोष कौशिक व प्रो रश्मित कौर द्वारा व्याख्यान और समूह चर्चा आयोजित की गईं। अर्थशास्त्र विभाग से प्रो रजनी सारथी व प्रो अनिशा लकड़ा द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी तथा सफल उद्यमियों के अनुभव साझा किए गए, जिससे प्रतिभागियों को प्रेरणा और व्यावहारिक मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

यह कार्यक्रम स्थानीय स्तर पर आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक प्रभावी पहल के रूप में देखा जा रहा है, जो युवाओं को रोजगारदाता बनने की ओर प्रेरित करेगा।

प्रतिभागी को प्रमाण पत्र प्रदान करते अतिथि ● नईदुनिया